न्यूज़ टुडे

भारत ने शंघाई सहयोग संगठन (SCO) के रक्षा मंत्रियों की बैठक में संयुक्त वक्तव्य पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया

भारत के इनकार के कारण यह बैठक संयुक्त घोषणा को अपनाए बिना ही संपन्न हो गई, क्योंकि SCO के नियमों के अनुसार **संयुक्त घोषणा के लिए पूर्ण सहमति की आवश्यकता** होती है।

- भारत के रक्षा मंत्री ने दोहराया कि भारत हमेशा **'वन अर्थ, वन फैमिली, वन फ्यूचर'** के सिद्धांत पर वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने के लिए आम सहमति **बनाने का पक्षधर** रहा है। यह भारत की प्राचीन सोच **'वसुधैव कुटुम्बकम्'** पर आधारित है।
- उन्होंने यह भी बताया कि **SCO दुनिया की 30% GDP और 40% जनसंख्या** का प्रतिनिधित्व करता है।

भारत के लिए SCO का महत्त्व

- **क्षेत्रीय सुरक्षा को बढ़ावा:** SCO का रीजनल एंटी-टेररिस्ट स्ट्रक्चर (RATS) आतंकवाद से निपटने में मदद कर सकता है।
- **सामाजिक और आर्थिक संबंधों को बढ़ावा:** SCO **यंग साइंटिस्ट्स कॉन्क्लेव और इनोवेशन व स्टार्ट-अप्स पर विशेष कार्य समूह** जैसे कार्यक्रमों के जरिए सहयोग को बढ़ावा देता है।
  - उल्लेखनीय है कि **इनोवेशन व स्टार्ट-अप्स पर विशेष कार्य समूह** को भारत ने प्रस्तावित किया था।
- **क्षेत्रीय संपर्क को मजबूत करना: अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे (INSTC)** में SCO सदस्य शामिल हैं। इसलिए, इन देशों का समर्थन भारत के लिए फायदेमंद हो सकता है।
  - ऐसी परियोजनाएं चीन की **बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (BRI)** को प्रतिसंतुलित करने के लिए भी जरूरी हैं।
- **पश्चिमी देशों के प्रभुत्वाधीन प्रभावशाली संस्थाओं का प्रतिसंतुलन:** SCO ने व्यापार के लिए **डॉलर की बजाय राष्ट्रीय मुद्राओं** के उपयोग का प्रस्ताव दिया है। इससे पश्चिमी दबदबे वाली संस्थाओं का प्रभाव कम किया जा सकता है।

भारत को SCO में जिन प्रमुख चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, वे हैं: चीन-पाकिस्तान की नजदीकी; चीन का पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित सीमा-पार आतंकवाद को लेकर नरम रुख; SCO को एक पश्चिम-विरोधी समूह के रूप में देखा जाना, आदि।

शंघाई सहयोग संगठन (SCO)

1. उत्पत्ति (Genesis)
शंघाई सहयोग संगठन (SCO) की शुरुआत 2001 में शंघाई शिखर सम्मेलन में एक अंतर-सरकारी संगठन के रूप में हुई थी।
यह संगठन "शंघाई फाइव" समूह से विकसित हुआ था।

2. सदस्य (Members)
- **मूल "शंघाई फाइव" (2001):** चीन, कज़ाखस्तान, किर्गिस्तान, रूस और ताजिकिस्तान।
- **बाद में शामिल देश:** उज्बेकिस्तान (2001), भारत (2017), पाकिस्तान (2017), ईरान (2023) और बेलारूस (2024)।
- **कुल सदस्य देश:** 10.

"शंघाई भावना" (Shanghai Spirit)
SCO जिन सिद्धांतों के आधार पर कार्य करता है:
- आपसी विश्वास
- आपसी लाभ
- समानता
- विचार-विमर्श
- सांस्कृतिक विविधता का सम्मान
- साझा विकास की भावना

4. संगठनात्मक ढांचा (Organizational Structure)
- **राज्य प्रमुखों की परिषद (Council of Heads of States)**
  यह सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्था है।
  ↓
- **सरकार प्रमुखों की परिषद (Council of Heads of Governments)**
  यह दूसरी सबसे प्रमुख संस्था है।

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री (MoPSW) ने 'सागरमाला वित्त निगम लिमिटेड (SMFCL)' का उद्घाटन किया

सागरमाला वित्त निगम लिमिटेड (SMFCL), **सामुद्रिक क्षेत्रक में भारत की पहली गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (NBFC)** है।

- इसे पहले **सागरमाला डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड** के नाम से जाना जाता था।
- SMFCL **मिनीरत्न-श्रेणी-I में सूचीबद्ध केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्रक उपक्रम** (CPSE) है।
- अब यह **भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के पास NBFC के रूप में औपचारिक रूप से पंजीकृत** कंपनी बन गई है।
- यह पत्तन प्राधिकरणों और शिपिंग कंपनियों जैसे अलग-अलग **हितधारकों को उनकी जरूरत के अनुरूप वित्तीय सहायता प्रदान** करेगी।
- साथ ही, यह कंपनी **जहाज निर्माण, नवीकरणीय ऊर्जा, क्रूज़ पर्यटन और सामुद्रिक मामलों में शिक्षा** जैसे रणनीतिक क्षेत्रों को भी समर्थन प्रदान करेगी।

सामुद्रिक क्षेत्रक के लिए भारत में शुरू की गई अन्य महत्वपूर्ण पहलें

- **डिजिटल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (DCoE):** यह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI), इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT), ब्लॉकचेन जैसी नई प्रौद्योगिकियों के उपयोग के माध्यम से **बंदरगाह के संचालन और शिपिंग लॉजिस्टिक्स के आधुनिकीकरण व इनमें नवाचार को बढ़ावा** देता है।
- **सागर सेतु (SAGAR SETU) प्लेटफॉर्म:** यह प्लेटफॉर्म **प्रधान मंत्री गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान** के अनुरूप है। यह प्लेटफॉर्म कई सेवा प्रदाताओं को एकीकृत करके निर्यात-आयात (EXIM) से जुड़ी सेवाएं निर्बाध रूप से प्रदान करता है।
- **दृष्टि (DRISHTI):** यहां DRISHTI से आशय **"डेटा ड्राइवन डिसीजन सपोर्ट-रिव्यु इंस्टीट्यूशनल इन्फॉर्मेशन सिस्टम फॉर हास्टेनिंग एंड ट्रैकिंग इम्प्लीमेंटेशन"** से है। इसका उद्देश्य **मैरीटाइम इंडिया विज़न 2030 और अमृत काल विज़न 2047** के कार्यान्वयन में तेजी लाना है।
- **प्रमुख बंदरगाहों पर शुल्कों की अनुसूचित दर (Scale of Rates - SOR):** यह प्रमुख बंदरगाहों पर प्रदान की जाने वाली सेवाओं के लिए **एक समान शुल्क संरचना** प्रदान करती है।
- **गेटवे टू ग्रीन-भारत के बंदरगाहों का हाइड्रोजन हब में रूपांतरण:** यह नीति भारतीय बंदरगाहों को **ग्रीन हाइड्रोजन के उत्पादन, भंडारण और निर्यात के लिए केंद्र** बनाने हेतु रूपरेखा प्रदान करती है।

नोट: NBFCs के बारे में और अधिक जानकारी के लिए, कृपया 15 और 16 जून 2025 की न्यूज़ टुडे पढ़िए।

मैरीटाइम इंडिया विज़न 2030
- यह भारत के सामुद्रिक क्षेत्रक के समग्र विकास के लिए एक व्यापक रूपरेखा प्रदान करता है। सामुद्रिक क्षेत्रक में **पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग** शामिल हैं।
- इसका उद्देश्य भारत को **सामुद्रिक क्षेत्रक में विश्व का अग्रणी देश** बनाना है।

अमृत काल विज़न 2047
- यह **मैरीटाइम इंडिया विज़न 2030 पर आधारित** है।
- इसका उद्देश्य भारत में **विश्व स्तरीय बंदरगाहों का विकास** करना तथा अंतर्देशीय जल परिवहन, तटीय शिपिंग और संधारणीय सामुद्रिक क्षेत्रक को बढ़ावा देना है।

विदेश मंत्रालय (MEA) के अनुसार भारत चीन से रेयर अर्थ मैग्नेट की आपूर्ति और उसके निर्यात प्रतिबंधों पर वार्ता कर रहा है

चीन ने अप्रैल माह में एक नया नियम लागू किया था। इस नियम के तहत **अब कंपनियों को दुर्लभ भू तत्वों (REEs) का निर्यात करने से पहले चीन सरकार से अनुमति** लेनी होगी।

- चीन **विश्व के 90% से अधिक दुर्लभ भू तत्वों की प्रोसेसिंग** करता है।
- ध्यातव्य है कि **संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा लगाए गए रेसिप्रोकल टैरिफ के जवाब में चीन ने दुर्लभ भू-तत्वों (REEs) के निर्यात पर प्रतिबंध** लगाया है।

दुर्लभ भू-तत्व (REE) क्या होते हैं?

- **परिभाषा:** REEs **चमकदार व चांदी जैसे सफेद रंग** के मुलायम और भारी 17 **धात्विक तत्वों** का एक समूह है। इसमें **आवर्त सारणी के 15 लैंथेनाइड्स के अलावा स्कैंडियम और यिट्रियम** शामिल हैं।
  - इन्हें **महत्वपूर्ण खनिजों (Critical Minerals) के रूप में वर्गीकृत** किया गया है क्योंकि:
    - ये पृथ्वी में पर्याप्त मात्रा में मौजूद हैं, लेकिन इन्हें निकालना कठिन होता है क्योंकि ये संकेंद्रित समूहों में नहीं पाए जाते हैं। इनका व्यावसायिक खनन कठिन होता है। इनके बहुत कम सप्लायर होते हैं। रक्षा क्षेत्रक में इनका सामरिक महत्त्व होता है।
- **विशेषताएं:**
  - REEs को धातुओं के साथ मिलाने से **धातु में जंग नहीं लगती और ऊर्जा को संचित करने की क्षमता भी बढ़** जाती है।
  - ये इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और उन्नत विनिर्माण (advanced manufacturing) में प्रदर्शन को बेहतर बनाते हैं।
  - REE मैग्नेट का उनकी **उच्च अवशिष्ट चुंबकत्व (रेसिड्यूअल मैग्नेटिज्म) और कोएर्सिविटी (निग्राहिता)** के कारण चुम्बकों में व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है।
    - इसकी वजह यह है कि इन तत्वों की **परमाणु संरचना में बिना युग्म वाले (unpaired) इलेक्ट्रॉन्स की संख्या ज्यादा** होती है।
- **उपयोग:** ये तत्व **एयरोस्पेस (अंतरिक्ष विज्ञान), रक्षा, ऑटोमोबाइल (गाड़ियों), और ऊर्जा प्रणालियों** में बहुत जरूरी होते हैं।
  - उदाहरण: **मोबाइल फोन, कंप्यूटर की हार्ड ड्राइव, गाइडेंस सिस्टम, लेज़र, रडार, सोनार सिस्टम** आदि।
- **वैश्विक भंडार:**
  - **चीन:** 4.4 करोड़ मीट्रिक टन (दुनिया में सबसे ज्यादा);
  - **ब्राज़ील:** 2.1 करोड़ मीट्रिक टन (दूसरे स्थान पर);
  - **भारत:** लगभग 70 लाख मीट्रिक टन (दुनिया में पांचवें स्थान पर) आदि।

भारत में प्रोसेसिंग (शोधन) की क्षमता कम होने के कारण **REEs के लिए भारत अभी भी दूसरे देशों, विशेष रूप से चीन पर निर्भर** है। **नेशनल क्रिटिकल मिनरल मिशन (NCMM)** की शुरुआत **2025** में हुई थी। इसका उद्देश्य है – REEs सहित अन्य महत्वपूर्ण खनिजों की खोज और विकास को बढ़ावा देना।

संयुक्त राज्य अमेरिका ने गावी, द वैक्सीन अलायंस के वित्त-पोषण पर रोक लगाई

अमेरिका ने गावी (Gavi) और विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) पर यह आरोप लगाया है कि वे टीकों की सुरक्षा पर उठने वाले वैध सवालों एवं असहमति को दबा रहे हैं।

- इससे पहले अमेरिका लंबे समय से गावी का सबसे बड़ा समर्थक था।

अमेरिका की वैश्विक गठबंधनों से स्वयं को अलग करने की बढ़ती प्रवृत्ति

- पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका ने कई प्रमुख वैश्विक संगठनों और संस्थानों से स्वयं को अलग कर लिया है। जैसे- संयुक्त राज्य अमेरिका WHO, पेरिस जलवायु समझौते, संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद, संयुक्त राष्ट्र राहत और कार्य एजेंसी (UNRWA) आदि से बाहर हो गया है।
- एक वैश्विक महाशक्ति होने के नाते, अमेरिका के ऐसे फैसलों का **अंतर्राष्ट्रीय गवर्नेंस पर व्यापक प्रभाव** पड़ता है।

अमेरिका द्वारा वैश्विक गठबंधनों से स्वयं को अलग करने की बढ़ती प्रवृत्ति के प्रभाव

- **बहुपक्षवाद/ नियम-आधारित व्यवस्था का कमजोर होना:** उदाहरण के लिए- अमेरिका के हटने के बाद इजरायल ने भी संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद से भागीदारी खत्म कर दी है।
- **जलवायु परिवर्तन कार्यवाहियों पर प्रभाव:** 2024 अब तक का सबसे गर्म वर्ष रहा है और **संयुक्त राज्य अमेरिका चीन के बाद दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जक** है।
- **स्वास्थ्य के लिए धन की कमी:** अमेरिका के बाहर निकलने से संस्थानों में धन की कमी हो सकती है। उदाहरण के लिए- **2024 में अमेरिका ने WHO के कुल फंड का लगभग 15%** वित्त-पोषित किया था।
- **अन्य:** अमेरिका के हटने से वैश्विक नेतृत्व में खालीपन पैदा होता है, जिसे चीन भर सकता है। इससे **भारत की वैश्विक संगठनों में प्रभावशीलता कम** हो सकती है।

गावी (Gavi) के बारे में (2000)

- यह एक **सार्वजनिक-निजी भागीदारी** है।
  - इसके मुख्य भागीदारों में **विश्व स्वास्थ्य संगठन, यूनिसेफ, विश्व बैंक और गेट्स फाउंडेशन** शामिल हैं।
- **मिशन:** टीकों के **न्यायसंगत और संधारणीय उपयोग को बढ़ावा देकर** लोगों के जीवन को बचाना तथा उनके स्वास्थ्य की रक्षा करना।
  - इसने सबसे गरीब देशों में **एक बिलियन से अधिक बच्चों का टीकाकरण** किया है।
- यह WHO के नेतृत्व में संचालित **वैक्सीन सेफ्टी नेट (VSN) प्रोजेक्ट** का हिस्सा है।
- **सचिवालय:** जेनेवा (स्विट्जरलैंड)।

भारत में "कायाकल्प और शहरी परिवर्तन के लिए अटल मिशन (AMRUT)" की शुरुआत के 10 वर्ष पूरे हुए

अमृत (AMRUT) मिशन की शुरुआत 25 जून, 2015 को हुई थी। यह जल पर केंद्रित भारत का पहला मिशन है।

- अमृत 2.0 को 1 अक्टूबर, 2021 को 5 वर्ष की अवधि (2021-22 से 2025-26 तक) के लिए शुरू किया गया था।
  - यह मिशन देश के सभी शहरी स्थानीय निकायों (ULBs) को कवर करता है।

अमृत (AMRUT) के बारे में

- नोडल मंत्रालय: केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय।
- प्रमुख उद्देश्य:
  - प्रत्येक घर में नल से जल आपूर्ति कनेक्शन और सीवरेज निकास की सुविधाएं सुनिश्चित करना;
  - शहरों में बेहतर सुविधाएं सुनिश्चित करना; जैसे कि पार्क;
  - सार्वजनिक परिवहन सुविधाओं को बढ़ावा देकर प्रदूषण को कम करना आदि।
- योजना का प्रकार: यह एक केंद्र प्रायोजित योजना है। योजना के तहत केंद्र व राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के बीच फंड आवंटन शहरी आबादी तथा नगरों की संख्या के आधार पर तय किया जाता है।
- कवरेज: इसमें शुरुआत में 500 चयनित शहरों और कस्बों को कवर किया गया था। वर्तमान में 485 शहर कवर किए गए हैं और इनमें पहले के 15 शहरों का विलय हो गया है।
- अमृत मिशन के तहत शुरू की गई अन्य प्रमुख पहलें:
  - जल ही अमृत: इसका उद्देश्य जल का सुरक्षित रूप से शोधन करना और पुनः उपयोग को बढ़ावा देना है।
  - अमृत मित्र: इसका उद्देश्य स्वयं सहायता समूहों (SHGs) की महिलाओं को अपने समुदाय में जल प्रबंधन से संबंधित कौशल प्रदान करना है।

अमृत और अमृत 2.0 के तहत सुधार संबंधी प्रमुख उपलब्धियां

99 लाख स्ट्रीट लाइट्स की जगह **ऊर्जा दक्ष LEDs** लगाई गई हैं।

प्रति वर्ष **46 लाख टन CO_2 उत्सर्जन में कमी** हुई है।

13 शहरी स्थानीय निकायों द्वारा म्युनिसिपल बॉण्ड्स जारी करके **24,984 करोड़ रुपये** की राशि जुटाई गई है।

3,599 शहरों में **ऑनलाइन बिल्डिंग परमिशन सिस्टम** लागू किया गया है।

अमृत शहरों के लिए **GIS आधारित मास्टर प्लान्स 231 शहरों** के लिए तैयार किए गए हैं। ये शहरी क्षेत्र 1 लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को कवर करते हैं।

अमृत

Atal Mission for Rejuvenation and Urban Transformation

अन्य सुर्ख़ियां

राजभाषा (Official Language)

भारत सरकार के राजभाषा विभाग ने हाल ही में अपनी स्थापना की स्वर्ण जयंती (50 वर्ष) मनाई।

- राजभाषा विभाग की स्थापना 1975 में हुई थी।

राजभाषा के बारे में

- संविधान के भाग XVII में राजभाषा से संबंधित प्रावधान शामिल हैं।
- अनुच्छेद 343 के अनुसार 'संघ की राजभाषा देवनागरी लिपि में लिखित हिंदी' होगी।
- राजभाषा अधिनियम, 1963 के अनुसार "संघ के सभी शासकीय कार्यों और संसदीय कार्यों में हिंदी के साथ-साथ अंग्रेजी का भी उपयोग किया जाएगा।"
- अनुच्छेद 344 में राजभाषा आयोग और राजभाषा समिति के गठन का प्रावधान किया गया है।
- अनुच्छेद 345 यह प्रावधान करता है कि राज्य विधानमंडल राज्य में उपयोग की जाने वाली किसी एक या अधिक भाषाओं या हिंदी को उस राज्य की राजभाषा के रूप में अधिसूचित कर सकता है।

अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र (IFSC)

केंद्रीय वित्त मंत्री ने गुजरात अंतर्राष्ट्रीय वित्त टेक-सिटी (GIFT सिटी)-IFSC की प्रगति की समीक्षा की है।

- GIFT सिटी-IFSC को 2015 में विशेष आर्थिक क्षेत्र (SEZ) के रूप में स्थापित किया गया था।
- यह अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय गतिविधियों का केंद्र है तथा भारतीय और वैश्विक वित्तीय बाजारों के बीच सेतु का कार्य करता है।

IFSC प्राधिकरण के बारे में

- अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र (IFSC) प्राधिकरण "अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र अधिनियम, 2019" के तहत स्थापित एक वैधानिक संस्था है।
- यह संस्था भारत में अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्रों (IFSCs) के भीतर वित्तीय उत्पादों, वित्तीय सेवाओं और वित्तीय संस्थानों के विकास और विनियमन के लिए एकीकृत विनियामक के रूप में कार्य करती है।

UN80 पहल

वर्ष 1945 में UN चार्टर पर हस्ताक्षर के 80 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में संयुक्त राष्ट्र ने UN80 पहल शुरू की है।
- इस पहल का उद्देश्य संयुक्त राष्ट्र संगठन की कार्यप्रणाली को सरल बनाना, इसके प्रभाव को सशक्त करना, और तेजी से बदलती दुनिया में UN की प्रासंगिकता की फिर से पुष्टि करना है।

संयुक्त राष्ट्र (UN) के बारे में
- **स्थापना:** संयुक्त राष्ट्र की स्थापना 1945 में द्वितीय विश्व युद्ध के बाद हुई थी। यह एक अंतर्राष्ट्रीय संगठन है।
- **संयुक्त राष्ट्र के निम्नलिखित छह प्रमुख अंग हैं:**
  - महासभा (General Assembly)
  - सुरक्षा परिषद (Security Council)
  - आर्थिक और सामाजिक परिषद (Economic and Social Council)
  - न्यास परिषद (Trusteeship Council)
  - अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय (International Court of Justice)
  - संयुक्त राष्ट्र सचिवालय (UN Secretariat)
- **कुल सदस्य:** 193. भारत संयुक्त राष्ट्र का संस्थापक सदस्य है।

ऑपरेशन डीप मैनिफेस्ट

राजस्व आसूचना निदेशालय (Directorate of Revenue Intelligence) ने 'ऑपरेशन डीप मैनिफेस्ट' के तहत लगभग 9 करोड़ रुपये का सामान जब्त किया।

'ऑपरेशन डीप मैनिफेस्ट' के बारे में
- यह ऑपरेशन मूल रूप से पाकिस्तान की वस्तुओं को अवैध रूप से भारत में आयात को रोकने के लिए शुरू किया गया।
  - ये सामान मुख्य रूप से संयुक्त अरब अमीरात (दुबई) जैसे तीसरे देशों के रास्ते भारत में लाए जा रहे थे।
- पहलगाम आतंकी हमलों के बाद भारत ने मूल रूप से पाकिस्तान की वस्तुओं के भारत में प्रत्यक्ष आयात या इन वस्तुओं को किसी अन्य जगह निर्यात करके अप्रत्यक्ष रूप से भारत में भेजने पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया।
  - इससे पहले इन वस्तुओं के भारत में आयात पर 200% कस्टम ड्यूटी लगाई जाती थी।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी क्लस्टर पहल

"विज्ञान और प्रौद्योगिकी क्लस्टर वार्षिक रिपोर्ट 2024-2025" में "विज्ञान और प्रौद्योगिकी क्लस्टर पहल" के तहत शुरू की गई विभिन्न पहलों को रेखांकित किया गया।
- इन पहलों में Kalaanubhav.in भी शामिल है जो कारीगरों के लिए ऑगमेंटेड रियलिटी (AR) और वर्चुअल रियलिटी (VR) आधारित मार्केटप्लेस है।

'विज्ञान और प्रौद्योगिकी क्लस्टर पहल' के बारे में
- **शुरुआत:** यह पहल 2020 में "प्रधानमंत्री की विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार सलाहकार परिषद (PM-STIAC)" की सिफारिशों के आधार पर लॉन्च की गई थी।
- **उद्देश्य:** शैक्षणिक संस्थानों, अनुसंधान एवं विकास संगठनों, उद्योगों और स्थानीय सरकारों जैसे हितधारकों को एक साथ लाना, ताकि इनोवेटिव विचारों के माध्यम से मांग-आधारित समाधान प्रदान किए जा सकें।
- **कार्यप्रणाली:**
  - यह कंसोर्टियम-आधारित अप्रोच के माध्यम से संचालित होता है।
  - यह विज्ञान और प्रौद्योगिकी के आधार पर विभिन्न क्षेत्रों की समस्या के समाधान पर केंद्रित है।
- **नोडल कार्यान्वयन एजेंसी:** प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार (PSA) का कार्यालय।
  - PSA कैबिनेट सचिव के तहत कार्य करता है।

अल्फाजीनोम

गूगल डीपमाइंड ने अल्फाजीनोम नामक एक नया AI मॉडल लॉन्च किया है।

अल्फाजीनोम
- यह नया AI मॉडल इस बात का सटीक अनुमान लगाने में मदद करेगा कि मानव DNA में होने वाले व्यक्तिगत म्यूटेशन (परिवर्तन) उनके कार्यों और हमारे स्वास्थ्य को कैसे प्रभावित करते हैं।
- यह गूगल डीपमाइंड के पूर्व के जीनोमिक्स मॉडल, एनफॉर्मर पर आधारित है। यह अल्फाएमिससेंस का पूरक है। अल्फाएमिससेंस प्रोटीन-कोडिंग क्षेत्रों में बदलावों के प्रभाव को वर्गीकृत करने में माहिर है।
- यह मॉडल बहुत लंबे DNA अनुक्रमों (लगभग 10 लाख बेस पेयर तक) का विश्लेषण कर सकता है और बेहद विस्तृत पूर्वानुमान प्रदान करता है।

ग्रीन डेटा सेंटर

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री ने गाजियाबाद में सेंट्रल इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (CEL) में अत्याधुनिक ग्रीन डेटा सेंटर की आधारशिला रखी।

ग्रीन डेटा सेंटर के बारे में
- यह पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव को कम करने और ऊर्जा दक्षता को अधिकतम करने पर ध्यान केंद्रित करेगा।
  - यह भारत को एक आत्मनिर्भर वैश्विक डिजिटल शक्ति बनाने के लक्ष्य के अनुरूप है।
- इसे CEL और ESDS (एक निजी कंपनी) के सहयोग से स्थापित किया गया है। CEL, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अंतर्गत CSIR से संबद्ध एक सार्वजनिक क्षेत्रक का उपक्रम है।

मानसरोवर झील

छह साल के अंतराल के बाद, भारतीय तीर्थयात्रियों ने कैलाश मानसरोवर यात्रा पूरी की और इस पवित्र झील के दर्शन किए।
- यह यात्रा कोविड-19 महामारी और LAC विवाद के बाद भारत-चीन के बीच लोगों की आवाजाही का पहला मामला है।
- यह यात्रा दो मार्गों से की जाती है: लिपुलेख दर्रा (उत्तराखंड) और नाथू ला दर्रा (सिक्किम)।

मानसरोवर झील के बारे में
- कैलाश पर्वत को संस्कृत में मानसरोवर झील के नाम से भी जाना जाता है।
- **स्थान:** यह झील तिब्बत में, कैलाश पर्वत के दक्षिणी छोर पर स्थित है।
  - यह दुनिया में मीठे पानी की सबसे ऊंचाई पर स्थित झील है।
- **प्रमुख मठ:** चियू गोम्पा मठ इस झील के पास स्थित है।
- **सांस्कृतिक और धार्मिक महत्त्व:**
  - **हिंदू धर्म:** माना जाता है कि इस झील का निर्माण भगवान ब्रह्मा ने किया था।
  - **बौद्ध धर्म:** बौद्ध धर्म के अनुयायी इस झील का संबंध अनोतत्ता झील से बताते हैं और मानते हैं कि भगवान बुद्ध का गर्भाधान यहीं हुआ था।

सुर्ख़ियों में रहे स्थल

जापान (राजधानी: टोक्यो)

जापान के द्वीपों पर बार-बार भूकंप की घटनाएं दर्ज की गई हैं।
- **भौगोलिक अवस्थिति:**
  - **अवस्थिति:** जापान एशिया के पूर्वी तट पर स्थित एक द्वीपीय देश है।
  - **मुख्य द्वीप: होन्शू (सबसे बड़ा),** होक्काइडो, क्यूशू और शिकोकू।
  - **समुद्री सीमाएं:** इसके पूर्व में प्रशांत महासागर, उत्तर में ओखोटस्क सागर, पश्चिम में जापान सागर (इसे पूर्वी सागर भी कहा जाता है) तथा दक्षिण-पश्चिम में पूर्वी चीन सागर है।
- **भौगोलिक विशेषताएं:**
  - **सबसे ऊँचा शिखर:** माउंट फूजी (3,776 मीटर), जो एक प्रसिद्ध ज्वालामुखी पर्वत है।
  - **प्रमुख नदियाँ:** शिनोना (सबसे लंबी), टोने और किशो।
  - **प्राकृतिक खतरे:** पैसिफिक रिंग ऑफ फ़ायर पर स्थित होने के कारण जापान में बार-बार भूकंप आते हैं।